Brahma Kumaris Drug De-Addiction Campaign

नशा एवं व्यसन **(Substance use disorder)**एक दिमाग़ी बिमारी है । नशे से होने वाले हर नुक्सान से वाकिफ होने के बावजूद भी व्यसनी पूर्ण रूप से नशीली दवाओं पर निर्भर हो जाता है । यह बिमारी पूर्ण रूप से अपना बुरा प्रभाव व्यसनी के मन एवं शरीर पर डालती है । बहुत से युवाओं को इस भयावय बिमारी ने अपने चंगुल में फंसा रखा है । अस्पतालों में एक विशेष विभाग **"Mind Body Medicine"** इस बिमारी से ग्रस्त लोगों के इलाज व पुनर्वास के हेतू कार्य करता है ।

स्वस्थ शरीर एवं सशक्त मन की नींव हमारे नैतिक मूल्य और संस्कृति में रोपित है । ब्रह्माकुमारीज़ का मेडिकल विंग ऐसे बहुत से कैम्पेन चलाता है जिससे लाखों लोग सात्विक भोजन, व्यायाम और मेडिटेशन के द्वारा अपनी शारीरिक बिमारियों से पूर्णतया निजात पाते हैं । इन सभी कैम्पेन में मुख्यतः सकारात्मक सोच एवं सात्विक जीवन शैली पर ज़ोर दिया जाता है । इसी संदर्भ में **Coronary Artery Disease** नामक प्रोग्राम के तहत 11000 से भी अधिक मरीज़ों को सफलतापूर्वक ठीक किया गया है वह भी बिना किसी शल्य चिकित्सा के । ये विचार माउण्ट आबू से आए डा0 प्रताप मिड्ढा एवं डा0 बनारसी लाल साह ने चण्डीगढ़, पंजाब एवं हरियाणा में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चलाए जा रहे व्यसन मुक्ति कैम्पेन के शुभारम्भ समारोह में रखे । इस आठ दिवसीय प्रोग्राम में 150 से भी अधिक प्रशिक्षित कार्यकर्ता भिन्न भिन्न शहरों एवं गांवों में अपनी सेवाएं देते हुए व्यसन मुक्ति के सम्बन्ध में लोगों को अवगत कराएंगे । स्कूल एवं कालेज के छात्रों में जागरूकता इस कार्यक्रम का मुख्य घ्येय है ।

मुम्बई से आए ब्रह्माकुमार डा0 सचिन ने मेडिटेशन को नशा मुक्ति का सबसे सरल उपाय बताया । उन्होंने बताया कि परमात्मा से जुड़ने पर व्यसनों को छोड़ने की भी जरूरत नहीं रहती अपितु वे अपने आप छूट जाते हैं और इन मरीज़ों में बहुत कम **withdrawal symptoms** पाये जाते हैं ।

डा0 राकेश गुप्ता, **Punjab State Nodal Officer for Tobacco Control** ने भी इस मौके पर अपने विचार व्यक्त किये और इस क्षेत्र में सरकार की गतिविधियों से अवगत कराया ।

मुख्य अतिथि, श्री अनुराग अग्रवाल, होम सेक्रेटरी, चण्डीगढ़ ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा इस क्षेत्र में दी जा रही अतुलनीय एवं अथक सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी निस्वार्थ सेवी संस्थाओं के बगैर सरकारी प्रोजैक्ट भी अपने मंतव्य में सफलता नहीं पा सकते । उन्होंने कहा कि यह अत्यन्त हर्ष की बात है कि ऐसे व्यसनीयों का ब्रह्माकुमारीज़ के साथ जुड़ना न केवल उन्हें दुर्व्यसनों से मुक्त करता है बल्कि उन्हें परमात्मा के नज़दीक भी करता है ।

बी के उत्तरा बहिन